प्रतिदर्श प्रश्नपत्र - 1, 2021-22

द्‌वितीय सत्र

विषय- हिंदी 'ए' (कोड-002)

निर्धारित समय : 2 घंटे **पूर्णांक : 40**

सामान्य निर्देश :

- इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं–खंड 'क' और 'ख'।
- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं, यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार ही लिखिए।
- लेखन कार्य में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखिए।
- खंड–'क' में कुल 3 प्रश्न हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए इनके उपप्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड–'ख' में कुल 4 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए चारों प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड–'क' (पाठ्यपुस्तक व पूरक पाठ्यपुस्तक) 20 अंक

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में लिखिए– **2 × 4 = 8**

(क) 'लखनवी अंदाज़' रचना के नवाब साहब की सनक के विषय में आप क्या सोचते हैं? कारण सहित स्पष्ट कीजिए।

(ख) फ़ादर बुल्के ने भारत में रहते हुए हिंदी के उत्थान के लिए क्या-क्या कार्य किए?

(ग) फ़ादर की उपस्थिति देवदार की छाया जैसी क्यों लगती थी?

(घ) नवाब साहब खीरा खाने के अपने ढंग से क्या दिखाना चाहते थे?

उत्तर– (क) 'लखनवी अंदाज़' रचना में नवाब साहब की सनक को किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं ठहराया जा सकता है, क्योंकि झूठी आन-बान से ओत-प्रोत होकर बनावटी जीवन जीना उचित नहीं है। ऐसा करके बनावटी रईसी तो दिखाई जा सकती है, पर इससे कुछ हासिल होने वाला नहीं है, बल्कि इससे खुद को ही तकलीफ़ होगी।

(ख) भारत में रहते हुए फ़ादर ने इलाहाबाद (प्रयागराज) विश्वविद्‌यालय से हिंदी में एम०ए० किया। इससे ज्ञात होता है कि उनका हिंदी से बेहद लगाव था। हिंदी के उत्थान के लिए उनके कुछ महत्वपूर्ण कार्य निम्नलिखित हैं–

(*i*) वे हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के लिए आजीवन प्रयास करते रहे।

(*ii*) मातरलिंक के प्रसिद्‌ध नाटक 'ब्लू बर्ड' का 'नीलपंछी' के नाम से उन्होंने हिंदी में रूपांतर किया।

(*iii*) उन्होंने अंग्रेज़ी-हिंदी शब्दकोश तैयार किया।

(*iv*) बाइबिल का हिंदी में अनुवाद किया।

(*v*) उन्होंने भारत में रहते हुए हिंदी में अपना शोध कार्य संपन्न किया।

(ग) देवदार का वृक्ष आकार में लंबा-चौड़ा होता है तथा छायादार भी। फ़ादर बुल्के का व्यक्तित्व भी कुछ ऐसा ही था। जिस प्रकार देवदार का वृक्ष वृहदाकार होने के कारण लोगों को छाया देकर शीतलता प्रदान करता है, ठीक उसी प्रकार फ़ादर बुल्के भी अपनी शरण में आए लोगों को आश्रय देते थे तथा दुख के समय में सांत्वना के वचनों द्‌वारा उनको शीतलता प्रदान करते थे।

(घ) नवाब साहब खीरे के सुगंध का रसास्वादन करके तृप्त होने के अपने विचित्र ढंग के माध्यम से अपनी रईसी और नवाबी का प्रदर्शन करना चाहते थे। वे लेखक को यह भी दिखाना चाह रहे थे कि नवाब जैसे रईस लोग खीरा जैसी साधारण-सी खाद्‌य वस्तु का आनंद इसी तरह लेते हैं। इससे उनकी दिखावा करने की प्रवृत्ति उजागर हो रही है।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में लिखिए– **2×3=6**

(क) बादलों से गर्जना का आह्वान कर कवि क्या कहना चाहता है? 'उत्साह' कविता के आधार पर बताइए।

(ख) इस सत्र में पढ़ी गई किस कविता में वस्त्र और आभूषणों को शाब्दिक-भ्रम कहा गया है और क्यों कहा गया है?

(ग) आपके द्‌वारा पढ़ी गई कविताओं में से किस कविता में वसंत ऋतु के सौंदर्य का चित्रण किया गया है? उसे अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।

(घ) आपके विचार से 'लड़की होना पर लड़की जैसी दिखाई मत देना' क्यों कहा गया है?

उत्तर– (क) कवि समाज में क्रांति और उत्साह की भावना का संचार कर, नवजीवन एवं परिवर्तन लाना चाहता है। वस्तुत: गर्जना क्रांति का प्रतीक है। अत: गर्जना में छिपी क्रांति से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना चाहता है।

(ख) 'कन्यादान' नामक कविता में वस्त्र और आभूषणों को शाब्दिक-भ्रम कहा गया है। इसमें वस्त्र और आभूषणों को शाब्दिक-भ्रम इसलिए कहा गया है, क्योंकि जिस प्रकार मनुष्य शब्दों के भ्रम में जीवन भर उलझा रहता है, उसी प्रकार नववधू वस्त्र और आभूषणों के आकर्षण में फँसकर भ्रमित हो जाती है। इसी की आड़ में ससुराल वाले उसका शोषण करते हैं।

(ग) 'अट नहीं रही' कविता में कवि ने वसंत ऋतु का बहुत सुंदर चित्रण किया है। वसंत में चारों ओर प्राकृतिक सौंदर्य और उल्लास दिखाई पड़ता है। सरसों के पीले फूलों की चादर बिछ जाती है। लताएँ और डालियाँ रंग-बिरंगे फूलों से सज जाती हैं। ऐसा लगता है मानो प्रकृति के कण-कण में नैसर्गिक सुंदरता समा गई हो।

(घ) 'लड़की होना पर लड़की जैसी दिखाई मत देना' – इस पंक्ति में लाक्षणिकता का गुण विद्यमान है। इसके माध्यम से माँ स्वीकार करती है कि परिवार व समाज को बनाए रखने वाले गुण यानी कोमलता, सुंदरता, सहनशीलता, ममता आदि का लड़कियों में होना अनिवार्य है, किंतु मात्र इन्हीं गुणों को समेटे हुए लड़कियों का व्यक्तित्व उसे कमज़ोर-सा प्रतीत होता है। अत: वह इसे नकार रही है। उसका मानना है कि लड़कियों में समाज की विपरीत परस्थितियों से जूझने की क्षमता भी होनी चाहिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए– **3×2=6**

(क) 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर बाल-स्वभाव का चित्रण कीजिए।

(ख) सरकारी तंत्र में जॉर्ज पंचम की नाक लगाने को लेकर जो चिंता और बदहवासी दिखाई देती है, वह उनकी किस मानसिकता को दर्शाती है? स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'कटाओ' पर किसी दुकान का न होना वरदान है। इस कथन के पक्ष में अपनी राय व्यक्त कीजिए।

उत्तर– (क) बाल-स्वभाव में कोई भी सुख-दुख स्थायी नहीं होता है। बच्चे अपने मन के अनुकूल स्थितियों को देखते ही बड़े-से-बड़े दुख को भूलकर सामान्य हो जाते हैं। वे मात्र खेल या अनुकूल स्नेह को पहचानते हैं। उदाहरणस्वरूप भोलानाथ माता के उबटने पर सिसकता है तथा गुरु के खबर लेने पर रोता है, परंतु तुरंत ही बालकों की टोली को देखकर उसके सिसकने या रोने में एकदम ठहराव आ जाता है और सामान्य होकर खेलने में ऐसे मस्त हो जाता है कि लगता ही नहीं की थोड़ी देर पहले कुछ हुआ हो। अत: बालक का अंतर्मन निर्द्वंद्व और निश्छल होता है।

(ख) सरकारी तंत्र में जॉर्ज पंचम की नाक लगाने को लेकर जो चिंता और बदहवासी दिखाई देती है, वह उसकी गुलाम मानसिकता को दर्शाती है। तंत्र में बैठे अधिकारियों के मन में आज भी अंग्रेज़ों की गुलामी और स्वामीभक्ति बसी हुई है। उन्हें अंग्रेज़ों के मान-सम्मान की चिंता अपने मान-सम्मान से अधिक है। इस तरह सरकारी तंत्र अपनी मानसिक गुलामी और चाटुकारिता को दर्शाता है।

(ग) 'कटाओ' पर किसी दुकान का न होना उसके लिए वरदान है। यदि वह किसी पर्यटन स्थल के रूप में चर्चित होता और पर्यटकों की सुविधा के लिए उस स्थान पर दुकानें होतीं तो वहाँ सैलानियों का आवागमन और व्यापारिक गतिविधियाँ बढ़ जातीं। फलस्वरूप पर्यटक वहाँ जमा होकर खाते-पीते और गंदगी फैलाते। वाहनों के आगमन से वायु-प्रदूषण भी फैलता। अत: कटाओ पर किसी दुकान का न होना उसके लिए वरदान ही है।

खंड–'ख' (रचनात्मक लेखन) 20 अंक

4. निम्नलिखित विषयों में से किसी <u>एक</u> विषय पर संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 150 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए– **(5)**

(क) **वन और पर्यावरण का संबंध**

संकेत-बिंदु– • वन प्रदूषण निवारण में सहायक • वनों की उपयोगिता • वन-संरक्षण की आवश्यकता।

(ख) **मीठी वाणी**

संकेत-बिंदु– • मीठी वाणी : एक वरदान • प्रभाव और प्रयोग • जीवन में महत्व।

(ग) **ग्लोबल वार्मिंग**

संकेत-बिंदु– • क्या है? • प्रभाव • इससे कैसे बचें • निष्कर्ष।

उत्तर– (क) वनों से भूमि का कटाव रोका जा सकता है। वनों से रेगिस्तान का फैलाव रुकता है, सूखा कम पड़ता है। इससे ध्वनि-प्रदूषण की भयंकर समस्या से भी काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है। वन ही नदियों, झरनों और अन्य प्राकृतिक जल-स्त्रोतों के भंडार हैं। वनों से हमें लकड़ी, फल, फूल, खाद्य-पदार्थ, गोंद तथा अन्य सामान प्राप्त होते हैं। आज भारत में दुर्भाग्य से केवल 23% ही वन बचे हैं। जैसे-जैसे उद्योगों को संख्या बढ़ रही है, शहरीकरण हो रहा है, वाहनों की संख्या बढ़ती जा रही है, वैसे-वैसे वनों की आवश्यकता और बढ़ती जा रही है। ऐसे में वन-संरक्षण एक आवश्यक एवं महत्वपूर्ण काम हो जाता है। इसमें हर व्यक्ति को अपनी ज़िम्मेदारी समझनी पड़ेगी और अपना योगदान देना होगा। अपने घर-मोहल्ले, नगर में अत्यधिक संख्या में वृक्षारोपण को बढ़ाकर इसको एक आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाना होगा। तभी हम अपने पर्यावरण को स्वच्छ रख पाएँगे।

(ख) मनुष्य के जीवन में उसके द्वारा बोली गई वाणी ही उसे प्रिय या अप्रिय बनाती है। मीठी वाणी बोलने वाला व्यक्ति सभी को प्रिय लगता है, वहीं दूसरी तरफ किसी मनुष्य में अपार गुण होते हुए भी यदि उसकी वाणी में मधुरता नहीं है तो वह किसी को भी पसंद नहीं आता। इसे हम कौआ और कोयल के उदाहरण द्वारा अच्छी तरह से समझ सकते हैं। क्योंकि दोनों के स्वरूप देखने में तो एक समान ही हैं, परंतु वाणी से दोनों के गुणों की पहचान हो जाती है। कोयल सबको प्रिय लगती है क्योंकि उसकी वाणी में मधुरता होती है और कौआ सबको अप्रिय लगता है क्योंकि उसकी वाणी में कर्कशता होती है। कौए की कर्कश आवाज़ और कोयल की मधुर वाणी को सुनकर हम दोनों के गुण जान जाते हैं। मानव अपनी मीठी वाणी से शत्रु को भी अपना मित्र बना लेता है। मधुर वचनों को बोलने से बोलने वाले तथा सुनने वाले दोनों को ही शांति एवं आनंद की अनुभूति होती है, भाई-चारे का वातावरण बना रहता है तथा मानव

समाज में प्रतिष्ठा एवं सम्मान प्राप्त कर पाता है। हमारे भारतवर्ष में विद्वानों और कवियों ने भी मधुर वचन को औषधि की संज्ञा दी है। इसलिए प्रत्येक मनुष्य को अहंकार और क्रोध का त्याग करके मीठी वाणी बोलकर सबका मन हरना चाहिए।

(ग) ग्लोबल वार्मिंग शब्द पृथ्वी के तापमान में होने वाली वृद्धि को दर्शाता है। यह एक ऐसी समस्या है, जिस पर काबू नहीं किया गया तो यह पूरी पृथ्वी को ही नष्ट कर देगी। ग्लोबल वार्मिंग पूरे विश्व में एक ज्वलंत मुद्दा बन गया है। सूरज की रोशनी को लगातार ग्रहण करते हुए हमारी पृथ्वी दिनों-दिन गर्म होती जा रही है, जिससे वातावरण में कॉर्बन डाइऑक्साइड का स्तर बढ़ रहा है। इसके लगातार बढ़ते दुष्प्रभावों से इनसानों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ हो रही हैं। सीएफसी-11 और सीएफसी-12 जैसी ग्रीनहाउस गैसों ने सूरज के थर्मल विकिरण को अवशोषित करके पृथ्वी के वातावरण को गर्म बना दिया है। ये गैसें सूर्य की किरणों को वायुमंडल में प्रवेश तो करने देती हैं, लेकिन उससे होने वाली विकिरण को वायुमंडल से बाहर नहीं जाने देती हैं। इसी को ग्रीनहाउस प्रभाव कहा जाता है, जो वैश्विक तापमान में वृद्धि के लिए ज़िम्मेदार है। तापमान में वृद्धि से वर्षा-चक्र, पारिस्थितिक संतुलन, मौसम का चक्र आदि प्रभावित होते हैं। यह वनस्पति और कृषि को भी प्रभावित करता है, जिसके कारण हमें असमय बाढ़ और सूखे जैसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। तापमान में वृद्धि और ग्लेशियरों के पिघलने के कारण बर्फ़बारी जैसी घटनाओं में भी कमी आई है। तापमान में वृद्धि से आद्रता में भी वृद्धि हुई है, क्योंकि तापमान में वृद्धि से वाष्पीकरण की दर में वृद्धि होना स्वाभाविक है। स्थानीय सरकारों को चाहिए कि वे लोगों के बीच जागरूकता पैदा करें तथा ऐसे उपकरणों और वाहनों की बिक्री को प्रोत्साहित करें जो पर्यावरण के अनुकूल हों। पेपर, प्लास्टिक और अन्य सामग्रियों की रीसाइक्लिंग को प्रोत्साहित करना चाहिए। ऐसे प्रयासों को लोगों द्वारा ज़मीनी स्तर पर करना अत्यंत आवश्यक है, तभी हम प्रभावी तरीके से इस भयानक समस्या का मुकाबला कर सकते हैं। इससे मुकाबला करने के लिए हम सभी को एक साथ आगे आना चाहिए और धरती पर जीवन को बचाने के लिए इस समस्या का समाधान करना चाहिए।

5. सार्वजनिक स्थलों पर बढ़ते हुए धूम्रपान तथा उसके कारण होने वाले संभावित रोगों की ओर संकेत करते हुए किसी दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए। (5)

अथवा

आपके छोटे भाई/बहन ने एक आवासीय विद्यालय में एक मास पूर्व ही प्रवेश लिया है। उसको मित्रों के चुनाव में सावधानी बरतने के लिए समझाते हुए लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए।

उत्तर– परीक्षा भवन

च०छ०ज० शहर

दिनांक : 10 नवंबर, 20××

संपादक महोदय

नवभारत टाइम्स

नई दिल्ली

विषय– सार्वजनिक स्थानों पर बढ़ते धूम्रपान तथा उसके कारण संभावित रोगों के संबंध में।

मान्यवर

मैं आपके लोकप्रिय समाचार-पत्र के माध्यम से संबंधित अधिकारियों का ध्यान सार्वजनिक स्थलों पर बढ़ते धूम्रपान की समस्या की ओर आकृष्ट करना चाहता हूँ।

यह तो आपको विदित होगा कि कुछ वर्ष पूर्व न्यायालय की ओर से सरकार को यह निर्देश दिया गया था कि सरकार सार्वजनिक स्थलों पर होने वाले धूम्रपान को तत्काल प्रभाव से रोकने की व्यवस्था सुनिश्चित करे। इसके बावजूद भी लोग बेधड़क होकर सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान करते हैं। इसका कारण कानून का कड़ाई से पालन न कराया जाना है। अगर कानून का कड़ाई से पालन कराया जाए, तो लोग डरेंगे तथा ऐसा नहीं करेंगे। साथ ही लोगों को भी खुद पर नियंत्रण करना चाहिए, क्योंकि इससे उन्हें साँस संबंधी बीमारियाँ हो सकती हैं।

कृपया मेरे पत्र को अपने समाचार-पत्र में शामिल करें ताकि अधिकारीगण सचेत हो सकें तथा आम जनता भी जागरूक हो सके।

धन्यवाद।

प्रार्थी

क०ख०ग०

अथवा

परीक्षा भवन

च०छ०ज० शहर

दिनांक : 10 अप्रैल, 20××

प्रिय मोहित

शुभ प्यार!

तुम्हारा पत्र मिला। जानकर अच्छा लगा कि तुम्हें अपने आवासीय विद्यालय में कुछ खास समस्या नहीं आई तथा तुम्हारा पढ़ाई में मन लगने लगा है।

मोहित तुम अभी छोटे हो तथा पहली बार हमसे दूर हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करने गए हो। इस स्थिति में तुम्हें कुछ खास बातों का ध्यान रखना चाहिए। तुम्हें नियमित कार्यों में, अपने स्वास्थ्य पर, पढ़ाई-लिखाई की नियमितता पर तथा मित्रों के चुनाव पर विशेष ध्यान देना चाहिए ताकि तुम्हारे मित्र तुम्हारे लिए मददगार साबित हो सकें, न कि मुसीबत बन जाएँ। तुम्हें समझदार, पढ़ाई-लिखाई में तेज़ तथा अच्छी आदतों वाले छात्रों को अपना मित्र बनाना चाहिए, जिससे तुम उनसे कुछ सीख सको तथा उन्हें भी तुमसे कुछ जानने-समझने का मौका मिले।

शेष सब कुशल है, उम्मीद है, तुम मेरी बातों पर गौर करोगे तथा आगे अच्छा करते जाओगे। सभी तुम्हें प्यार बोल रहे हैं। पत्र का जवाब देना।

तुम्हारी बहन

क०ख०ग०

6. (क) नगर में आयोजित होने वाली 'भारत की सांस्कृतिक एकता प्रदर्शनी' को देखने के लिए लोगों को आमंत्रित करते हुए लगभग 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। **(2.5)**

अथवा

बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिए पर्यावरण विभाग की ओर से जनहित में जारी लगभग 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर–

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी आयोजित होने जा रही है

भारत की सांस्कृतिक एकता प्रदर्शनी

15 नवंबर, 20×× से 30 नवंबर, 20×× तक आयोजित

स्थान– कम्युनिटी हॉल, आलमबाग, लखनऊ

मुख्य आकर्षण–

- ❑ सांस्कृति एकता से संबंधित चित्र गैलरी ❑ विभिन्न संस्कृतियों के सांस्कृतिक कार्यक्रम
- ❑ विविध संस्कृतियों के व्यंजनों के स्टॉल ❑ बिक्री के लिए उपलब्ध हस्तशिल्प-सामग्री

संपर्क करें– सांस्कृतिक विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार

अथवा

'जागेंगे और जगाएँगे। धरती को प्रदूषण से बचाएँगे।'

पेड़ बचाओ। पेड़ लगाओ। धरती को प्रदूषण मुक्त बनाओ।

मुक्त करें धरती को, हर तरह के प्रदूषण से।

आइए भावी पीढ़ी को प्रदूषण मुक्त धरती दें तथा इस आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लें।

संपर्क : पर्यावरण विभाग, दिल्ली सरकार

(ख) पर्यावरण विभाग की ओर से जल-संरक्षण का आग्रह करते हुए लगभग 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। **(2.5)**

अथवा

'स्वच्छ भारत अभियान' पर लगभग 50 शब्दों का एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर–

जल-आंदोलन

जल है तो कल है।

जल बचाएँ, कल बचाएँ।

जल जीवन का अनमोल रत्न
इसे बचाने का करो प्रयत्न

जल बचाने के लिए सतत प्रयास–

- नल को खुला न रहने दें।
- आरो के व्यर्थ जल का सदुपयोग करें।
- घर की साफ़-सफ़ाई व अन्य कार्यों में जल अधिक न बहाएँ।
- घरों में Rain Water Harvesting करें।

जल संरक्षण पर अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें– पर्यावरण विभाग, मोबाइल नं० : 92××××××××

अथवा

स्वच्छ भारत अभियान

हमारा भारत, स्वच्छ भारत।

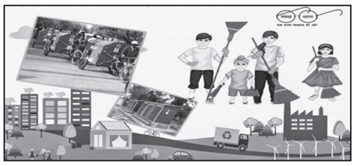

एक कदम स्वच्छता की ओर

देश को आगे बढ़ाना है,
स्वच्छ भारत अभियान चलाना है।

देश को हरा-भरा व गंदगी मुक्त बनाएँ।

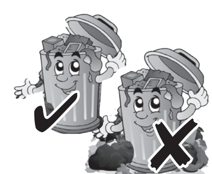

स्वच्छ भारत अभियान के प्रयास–

- गंदगी कूड़ेदान में डालें, बाहर नहीं।
- प्लास्टिक बैग का प्रयोग न करें।
- सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करें तथा स्वच्छ रखें।
- अधिक-से-अधिक को स्वच्छता अभियान में शामिल करें।

संपर्क करें– मानव संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार।

7. (क) होली के उपलक्ष्य पर अपने मित्रों को लगभग 40 शब्दों में शुभकामना संदेश लिखिए। **(2.5)**

अथवा

आपके भाई ने दसवीं की परीक्षा में पहला स्थान प्राप्त किया है, उसके लिए लगभग 40 शब्दों में बधाई संदेश लिखिए।

उत्तर–

शुभकामना संदेश

12 मार्च, 20××

प्रिय मित्रो!

होली मिलन की हार्दिक शुभकामनाएँ।

रंगों के इस त्योहार में यही कामना करता हूँ कि आप सब स्वस्थ व दीर्घायु रहें। आपका परिवार सदैव खुश रहे। होली के ये रंग आपके संसार में खुशियों के रंग बिखेर दें।

हमेशा मीठी रहे आप सबकी बोली, इस होली में खुशियों से भर जाए आपकी झोली।

आपका मित्र

संजीव

अथवा

बधाई संदेश

15 जून, 20××

प्रिय अनुज हरीश!

दसवीं के परीक्षाफल में प्रदेश में पहला स्थान पाने की हार्दिक शुभकामनाएँ।

मैं सदा ईश्वर से यही कामना करता हूँ कि तुम इसी प्रकार से परिवार का नाम रोशन करो, तरक्की करो, जीवन में आकाश की बुलंदियों को छुओ। इसी प्रकार परिश्रम करते रहना और आगे बढ़ते रहना।

मेरा आशीष और दुलार सदा तुम्हारे साथ है।

तुम्हारा बड़ा भाई

रूपेश

(ख) नगर निगम की ओर से दीपावली पर लगभग 40 शब्दों में शुभकामना संदेश लिखिए। **(2.5)**

अथवा

चाचा एवं चाची जी की ओर से अमन को जन्मदिवस हेतु लगभग 40 शब्दों में शुभकामना संदेश लिखिए।

उत्तर–

दीपावली पर शुभकामना संदेश

दीपावली की रात आई, संग अपनी खुशियाँ लाई।
हर तरफ़ रोशनी की चमक देखो कैसे है छाई।।

आप सभी क्षेत्रवासियों को दीपावली के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ

माँ लक्ष्मी की कृपा से सबके घर में इस वर्ष सुख की वर्षा हो।
हर एक को स्वास्थ्य मिले, हर घर में धन की वर्षा हो।।

नगर निगम अध्यक्ष
राजन गोयल

अथवा

तुम्हें हर पल खुशियों का मिले, चेहरे पर हर पल मुस्कान खिले।
यही है कामना और दुआ हमारी, सफलता कदम चूमे हर क्षण तुम्हारी।।

प्रिय अमन बेटा तुम्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ।

चिरंजीवी रहो स्वस्थ रहो। सदा यूँ ही उन्नति करो।।

तुम्हारे प्यारे चाचा एवं चाची